प्रिलिम्स फैक्ट्स: 24 जून,2021

drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-24-june-2021

पीटर पैन सिंड्रोम

Peter Pan Syndrome

हाल ही में मुंबई की एक विशेष अदालत नेद्वारा नाबालिग का यौन शोषण करने वाले आरोपी को इसलिये जमानत दे दी गई क्योंकि वह **पीटर पैन सिंड्रोम (PPS)** से पीड़ित था।

> **सिंड्रोम लक्षणों और संकेतों का एक संयोजन है** जो एक साथ किसी **रोग प्रक्रिया का प्रतिनिधित्व** करते हैं।

प्रमुख बिंदु

- **PPS** एक मनोवैज्ञानिक स्थिति है जिसका उपयोग एक ऐसे वयस्क व्यक्ति का वर्णन करने के लिये किया जाता है जो सामाजिक रूप से अपरिपक्व है।
- ऐसे व्यक्ति जो लापरवाह तरीके से जीवन जीने जीते हैं, वयस्कता में भी जिन्हे ज़िम्मेदारियाँ चुनौतीपूर्ण लगती हैं और जो मूल रूप से कभी बड़े नहीं होते हैं, वे प्रायः PPS से पीड़ित होते हैं।
  - **पीटर पैन** स्कॉटिश उपन्यासकार **जेम्स मैथ्यू बैरी** द्वारा 1900 के दशक की शुरुआत में बनाया गया एक काल्पनिक चरित्र है।
  - वह काल्पनिक **चरित्र एक लापरवाह युवा लड़के का था जो कभी बड़ा नहीं होता** है।
- यह शब्द वर्ष 1983 में मनोवैज्ञानिक डैन केली द्वारा ऐसे पुरुषों के व्यवहार की व्याख्या करने के लिये गढ़ा गया था जो 'बड़े होने से इनकार करते हैं' और अपनी उम्र के अनुसार व्यवहार नहीं करते हैं।
- यद्यपि **विश्व स्वास्थ्य संगठन** (WHO) पीटर पैन सिंड्रोम को एक स्वास्थ्य संबंधी विकार के रूप में मान्यता नहीं देता है लेकिन कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह एक **मानसिक स्वास्थ्य स्थिति है जो किसी के जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है।**

लक्षण:

- PPS को अभी तक आधिकारिक तौर पर स्वास्थ्य विकार के रूप में मान्यता नहीं दी गई है तथा अभी तक इस बीमारी के लिये स्पष्ट रूप से उत्तरदायी कोई परिभाषित लक्षण या या कारण भी संज्ञान में नहीं आए हैं।
- हालाँकि यह किसी की दैनिक दिनचर्या, रिश्तों, कार्य नैतिकता को प्रभावित कर सकता है और इसके परिणामस्वरूप इससे ग्रसित व्यक्ति के व्यवहार में भी परिवर्तन हो सकता है।

प्रभावित लोग:

- यह किसी भी लिंग, जाति या संस्कृति के व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है। यद्यपि यह सिंड्रोम **सामान्यतः पुरुषों में अधिक** प्रतीत होता है।
- यह उन लोगों को प्रभावित करता है जो बड़े होने में असमर्थ महसूस करते हैं या महसूस नहीं करते हैं, यानी शरीर तो वयस्क होता है लेकिन इनका दिमाग बच्चे के समान होता है।
    - इस सिंड्रोम से ग्रसित लोग नहीं जानते कि कैसे बच्चे की तरह व्यवहार करना बंद करना है या वे ऐसा करना ही नहीं चाहते हैं और माता या पिता बनना शुरू करते हैं।
- इसे वर्तमान में साइकोपैथोलॉजी नहीं माना गया है। हालाँकि पश्चिमी समाज में बड़ी संख्या में वयस्क भावनात्मक रूप से अपरिपक्व व्यवहार प्रस्तुत कर रहे हैं।
    - साइकोपैथोलॉजी एक ऐसा शब्द है जो या तो मानसिक बीमारी या मानसिक संकट के अध्ययन या व्यवहार और अनुभवों की अभिव्यक्ति को संदर्भित करता है, यह मानसिक बीमारी या मनोवैज्ञानिक हानि का संकेत हो सकता है।

वेंडी सिंड्रोम

- PPS को परिभाषित करने वाले मनोवैज्ञानिक ने वेंडी सिंड्रोम (WS) शब्द का प्रयोग उन महिलाओं का वर्णन करने के लिये किया है जो अपने सहयोगियों या उनके करीबी लोगों के साथ माँ की तरह व्यवहार करती हैं।
- WS से पीड़ित लोगों को प्रायः निर्णय लेते हुए, गंदगी को साफ करते हुए और एकतरफा भावनात्मक समर्थन प्रस्तुत करते हुए देखा जाता है।

“लैंड फॉर लाइफ” पुरस्कार

Land for Life Award

हाल ही में राजस्थान के एक जलवायु कार्यकर्त्ता **श्याम सुंदर ज्ञानी** को अपनी पर्यावरण संरक्षण अवधारणा- **पारिवारिक वानिकी** हेतु संयुक्त राष्ट्र का प्रतिष्ठित **"लैंड फॉर लाइफ"** पुरुस्कार दिया गया है।

- विजेता की घोषणा **विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस** के अवसर पर 17 जून 2021की गई थी।
- पारिवारिक वानिकी तात्पर्य वृक्ष और पर्यावरण की देखभाल को परिवार की आदतों का एक अहम हिस्सा बनाने से है ताकि एक वृक्ष परिवार की चेतना का हिस्सा बन जाए।

प्रमुख बिंदु

लैंड फॉर लाइफ पुरस्कार:

- संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय (UNCCD) द्वारा यह पुरुस्कार प्रत्येक 2 वर्षों में प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार भूमि संतुलन की दिशा में किये गए प्रयासों में उत्कृष्टता और नवाचार को मान्यता देता है।
- इसके पिछले संस्करण विश्व भर की निम्नीकृत/क्षयित भूमि के पुनर्नवीकरण और बहाली की प्रेरक पहलों पर प्रकाश डालते हैं।
- इन सभी प्रयासों ने सतत् विकास लक्ष्य (SDG) संख्या 15: **"भूमि पर जीवन",** विशेष रूप से लक्ष्य संख्या 15.3 अर्थात् **भूमि क्षरण तटस्थता (LDN)** को प्राप्त करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

- इस वर्ष यह पुरस्कार उन व्यक्तियों/संगठनों पर प्रकाश डालता है जिन्होंने बड़े पैमाने पर भूमि क्षरण तटस्थता में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

  इसका अर्थ यह है कि 25 वर्षों या उससे अधिक समय में दीर्घकालिक परिवर्तन और समर्पित कार्यों द्वारा भूमि, लोगों, समुदायों तथा समाज पर उल्लेखनीय सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

शुरुआत :

- इस पुरुस्कार को वर्ष 2011 में आयोजित 'संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय' (UNCCD) के COP-10 (पक्षकारों का सम्मेलन) में कोरिया गणराज्य की चांगवोन पहल के हिस्से के रूप में शुरू किया गया था
- चांगवोन पहल का उद्देश्य वर्ष 2008-18 के लिये रणनीति और COP-10 के निर्णयों के अनुसार की जा रही गतिविधियों के पूरक के रूप में कार्य करना है।

चांगवोन पहल के मुख्य घटकों में शामिल हैं:

- UNCCD की वैज्ञानिक प्रक्रिया को बढ़ाना।
- अतिरिक्त संसाधन जुटाना और साझेदारी व्यवस्था को सुगम बनाना।
- सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिये वैश्विक ढाँचे का समर्थन करना।

वर्ष 2021 के लिये पुरुस्कार की थीम:

"स्वस्थ भूमि, स्वस्थ जीवन" (Healthy Land, Healthy Lives)

संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय (UNCCD)

- वर्ष 1994 में स्थापित, यह पर्यावरण और विकास को स्थायी भूमि प्रबंधन से जोड़ने वाला एकमात्र कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।
- यह विशेष रूप से शुष्क, अर्ध-शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों को संबोधित करता है, जिन्हें शुष्क भूमि के रूप में जाना जाता है, जहाँ कुछ सबसे कमज़ोर पारिस्थितिक तंत्र और लोग पाए जा सकते हैं।
- यह अभिसमय राष्ट्रीय सरकारों को मरुस्थलीकरण के मुद्दे से निपटने के लिये उपाय करने के लिये बाध्य करता है।
- यह तीन रियो अभिसमयों में से एक है, अन्य दो अभिसमयों **जैव विविधता अभिसमय** (CBD) और जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) हैं।
- भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जिसने तीनों रियो सम्मेलनों के COPs की मेज़बानी की है।
- नया **UNCCD 2018-2030 रणनीतिक फ्रेमवर्क** भूमि क्षरण तटस्थता (LDN) को प्राप्त करने के लिये **सबसे व्यापक वैश्विक प्रतिबद्धता** है ताकि क्षरित भूमि को बहाल किया जा सके; 1.3 बिलियन से अधिक लोगों की आजीविका में सुधार किया जा सके और संवेदनशील आबादी पर सूखे के प्रभावों को कम किया जा सके।